

## आनुवंशिक विविधता हेतु बाघ का स्थानांतरण

**स्रोत: हदुस्तान टाइम्स**

हाल ही में ओडिशा सरकार द्वारा महाराष्ट्र के [ताडोबा अंधारी टाइगर रज़िर्व](#) से एक बाघनि को ओडिशा के [समिलिपाल टाइगर रज़िर्व \(STR\)](#) में स्थानांतरित किया, जिसका नाम **जमुना** है।

- इस स्थानांतरण का उद्देश्य समिलिपाल के बाघों की [आनुवंशिकी में विविधता](#) को बढ़ाना था, जहाँ बाघों की कम संख्या के कारण इनमें अंतःप्रजनन (अतसिंबद्ध जीवों का समागम) को लेकर चिंताएँ हैं।

### इस स्थानांतरण से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- पूर्व के स्थानांतरण प्रयास: वर्ष 2018 में, सुंदरी नामक एक बाघनि को ओडिशा के [सतकोसिया टाइगर रज़िर्व](#) में स्थानांतरित किया गया था।
  - [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(NTCA\)](#) द्वारा स्थानांतरण परियोजना को स्वीकृत प्रदान की जाती है।
- काले बाघों का स्थानांतरण:
  - बाघों की संख्या: वर्ष 2024 में किये गए ओडिशा बाघ आकलन के अनुसार समिलिपाल में कुल 24 वयस्क बाघ हैं, जिनमें [स्यूडो मेलानिस्टिक बाघों](#) की विशेष उपस्थिति दर्ज की गई थी।
    - समिलिपाल टाइगर रज़िर्व ही एकमात्र ऐसा पर्यावास है जहाँ ये काले बाघ पाए जाते हैं।
- अंतःप्रजनन संबंधी चिंताएँ: सर्वाधिक [स्यूडो मेलानिस्टिक बाघ \(24 वयस्कों में से 13\)](#) समिलिपाल में हैं जिसके कारण इनके बीच अंतःप्रजनन और आनुवंशिक विविधता को लेकर चिंताएँ हैं, जिसके फलस्वरूप बाह्य आनुवंशिक इनपुट की आवश्यकता होती है।
- आगामी पहल: समिलिपाल में एक [मेलानिस्टिक टाइगर सफारी स्थापित](#) करने की योजना की जा रही है, जो विश्व में इस प्रकार की पहली सफारी होगी।

नोट:

- एक आनुवंशिक लक्षण के कारण [ब्लैक अथवा स्यूडो मेलानिस्टिक बाघ](#) अस्तित्व में आते हैं, जिससे एक अद्वितीय लक्षणप्ररूप का नरिमाण होता है और यह उनकी आनुवंशिक विविधता की कमी को इंगित करता है।
  - ये बाघ शरीर पर चौड़ी और मशरति धारियों से अभलिक्षति होते हैं।

### समिलिपाल टाइगर रज़िर्व से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- अवस्थिति: समिलिपाल बाघ अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के [मयूरभंज ज़िले](#) में अवस्थित है।
  - इसे वर्ष 1973 में [प्रोजेक्ट टाइगर](#) के तहत बाघ अभयारण्य के रूप में अभिहित किया गया था।
  - वर्ष 2009 में [UNESCO](#) ने समिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान को [बायोस्फीयर रज़िर्व](#) की सूची में शामिल किया।
- भूगोल: जोरंडा और बरेहपिानी जैसे जलप्रपात तथा [खैरीबुरू एवं मेघाशनी चोटियाँ](#) समिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान में स्थित हैं।
  - बुरहाबलंगा, पलपला बंदन, सालंदी, [खैरी और देव नदियाँ](#) इससे होकर गुज़रती हैं।
  - इसका नाम 'समिल' (रेशमी कपास) वृक्ष के नाम पर रखा गया है।
- जैवविविधता: यहाँ मुख्यतः [उष्णकटिबंधीय आद्र पर्णपाती वन](#) पाए जाते हैं।
  - सतनधारी जीव: यहाँ [बाघ, तेंदुए, सांभर हरिण, बारकगि हरिण, गौर, वन्य बल्लिलियाँ, जंगली सूअर, चार सींग वाले मृग, जायंट गलिहरी](#) और सामान्य लंगूर पाए जाते हैं।
  - पक्षी प्रजातियाँ: यहाँ [ग्रे हॉर्नबलि](#), भारतीय पाइड हॉर्नबलि और [मालाबार पाइड हॉर्नबलि](#) जैसी विभिन्न प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
  - सरीसृप: [मगर प्रजाति के मगरमच्छ](#) खैरी और देव नदियों में पाए जाते हैं।
- मूल जनजातियाँ: यहाँ [कोलहा, संथाल, भूमजा, बथुडी, गोंड, खड़िया, मांकड़िया और सहारा](#) जैसी मूल जनजातियाँ निवास करती हैं।
  - ये जनजातियाँ [पवतिर उपवनों](#) की उपासना करते हैं जिन्हें [झरिया](#) कहा जाता है।

## ताडोबा अंधारी टाइगर रज़िर्व से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- अवस्थिति: यह महाराष्ट्र में स्थित है और राज्य का सबसे पुराना और सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।
  - ताडोबा/तारु संबंधित क्षेत्र के जनजातीय समुदायों के स्थानीय देवता हैं जिनकी ये समुदाय उपासना करते हैं।
  - अंधारी नाम अंधारी नदी से लिया गया है जो इस अभ्यारण्य से होकर बहती है।
- भूगोल: इसमें दो प्रमुख झीलें, ताडोबा झील और कोल्सा झील तथा ताडोबा नदी स्थित हैं।
- जैवविविधता:
  - वनस्पतजात: सागौन, सेमल, तेंदु, बहेड़ा, करया गोंद, महुआ मधुका, अर्जुन, बाँस आदि।
  - प्राणजात: बाघ, भारतीय तेंदुए, भालू, गौर, नीलगाय, ढोल, स्मॉल इंडियन सविट, सांभर, चित्तीदार हरिण, बारकगि हरिण और चीतल।

# बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

## बाघ की उप प्रजातियाँ

- \* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- \* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

## प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना



## देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

## संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

## संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Ix2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर: 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना: प्रत्येक 5 वर्ष में

## खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

## भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - ◆ वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - ◆ मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
  - ◆ नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - ◆ नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति बाघ आरक्षति क्षेत्रों में "क्रांतिकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतरगत सबसे बडा क्षेत्र कसिके पास है? (2020)

- (a) कॉरबेट
- (b) रणथंभौर
- (c) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
- (d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति संरक्षति क्षेत्रों पर वचिार कीजयि: (2012)

- 1. बांदीपुर
- 2. भीतरकनकिा
- 3. मानस
- 4. सुंदरबन

उपर्युक्त में से कसिे बाघ अभयारण्य घोषति कयिा गया है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)